गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

(नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फ़लक पर चमकता सितारा)

न्यूज़ लेटर

हिन्दी संस्करण

वर्ष 2, अंक 11, मई-जून, 2025

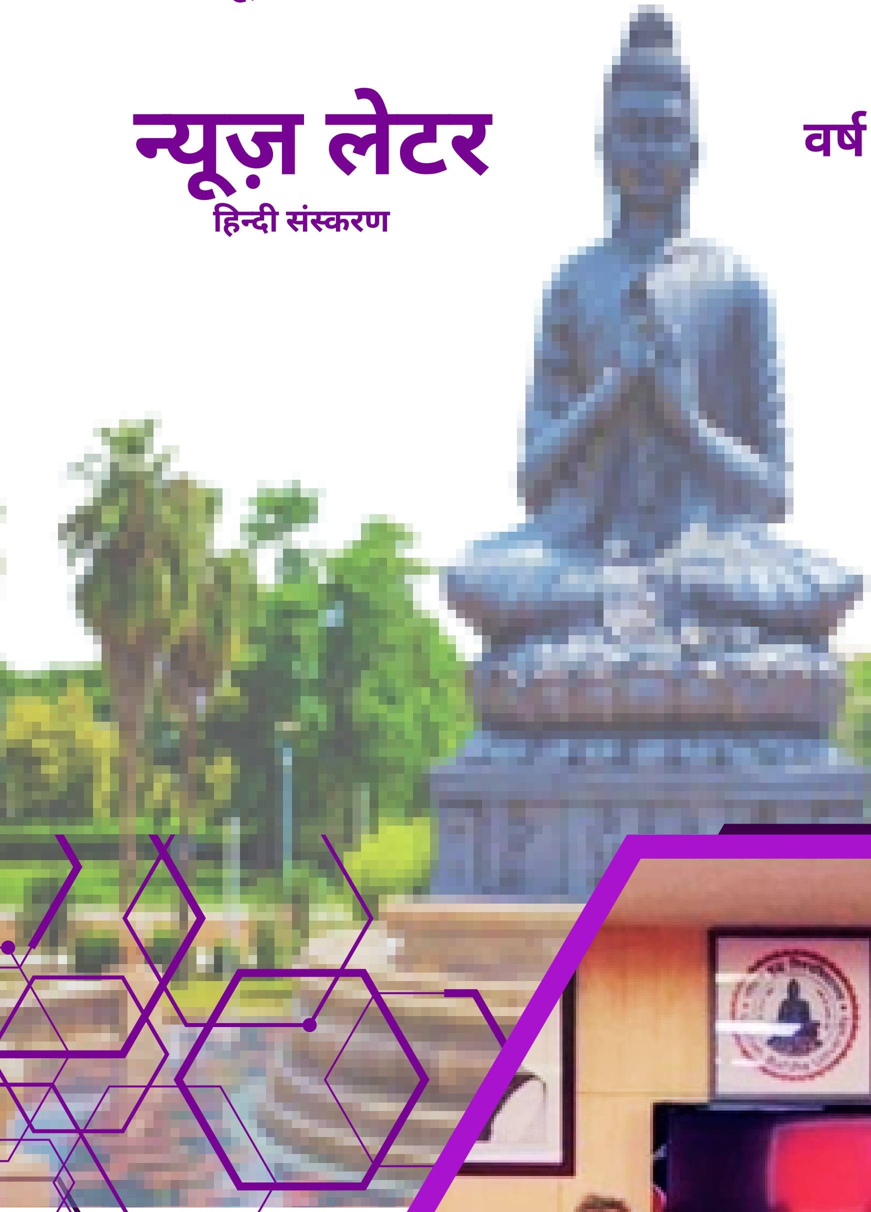

एक समापन, एक नई शुरुआत

प्रिय पाठकों,

विश्वविद्यालय जीवन एक सतत प्रवाह है — जहाँ हर सत्र एक अनुभव लेकर समाप्त होता है और हर नया सत्र नई आशाओं और संभावनाओं का द्वार खोलता है। आज, जब हम एक और शैक्षणिक सत्र के समापन की ओर देख रहे हैं, तो यह अवसर है आत्ममंथन और उत्सव का — हमने क्या सीखा, क्या पाया, और अब आगे क्या संजोया है।

पिछला सत्र अनेक दृष्टियों से स्मरणीय रहा। अकादमिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शोध परियोजनाओं, और सामाजिक योगदान की अनेक कहानियाँ इस वर्ष को विशेष बनाती हैं। विद्यार्थियों ने न केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित किया, बल्कि जीवन के विविध रंगों को भी अनुभव किया। शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने मिलकर विश्वविद्यालय को एक सशक्त बौद्धिक समुदाय के रूप में निरंतर आगे बढ़ाया।

जैसे ही हम नया सत्र आरंभ करने जा रहे हैं, यह समय है नई योजनाओं, नवाचारों और उत्साह के साथ फिर से ऊर्जा बटोरने का। नए विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए हम उनके लिए एक ऐसे परिवेश का निर्माण करने को प्रतिबद्ध हैं, जहाँ वे न केवल ज्ञानार्जन करें, बल्कि एक बेहतर नागरिक भी बनें। साथ ही, पुराने छात्र भी अपने अनुभवों को आगामी चुनौतियों में परिवर्तित करने के लिए तैयार हैं।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि सोचने, प्रश्न करने, और समाज के लिए सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित करना है। आगामी सत्र में हम इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे। नई अकादमिक नीतियाँ, डिजिटल नवाचार, शोध को बढ़ावा देने वाली योजनाएँ और विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए कई पहलें आरंभ की जा रही हैं।

इस नए अध्याय में, आइए हम सब मिलकर फिर से एक बार ज्ञान, अनुशासन और रचनात्मकता की ओर अग्रसर हों। पुराना सत्र भले ही समाप्त हुआ हो, पर उसका अनुभव हमारे साथ है। और यही अनुभव, नई यात्रा को सफल बनाने में हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

नवसत्र की हार्दिक शुभकामनाएँ।

******

मुख्य संपादिका की कलम से..

अकादमिक गतिविधियाँ

1. ग्रीनटेक शिखर सम्मेलन 2025 के तीसरे संस्करण में शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन विभाग के छात्रों की भागीदारी : शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन विभाग के छात्र एमयूआरपी, प्रथम सत्र के छात्रों ने शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा के प्रतिनिधित्व में ललित नई दिल्ली में आयोजित ग्रीनटेक शिखर सम्मेलन 2025 के तीसरे संस्करण में भाग लिया।

ग्रीनटेक शिखर सम्मेलन 2025 में डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा के साथ विद्यार्थी

शिखर सम्मेलन का विषय था – 'भविष्य को हरित बनाना- सतत नवाचार को गति देना'। यह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) का संयुक्त कार्यक्रम था।

****

2. AI तकनीकों पर आधारित विद्युत पावर सिस्टम विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान : स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 24 मई को 'ग्रिड और पावर सिस्टम में एआई तकनीकों की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आधुनिक तकनीकों के साथ विद्युत पावर सिस्टम की समझ को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रो. एस. एन. सिंह, आईआईआईटीएम, ग्वालियर द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने एआई आधारित निर्णय प्रणाली, लोड पूर्वानुमान, और ग्रिड विश्वसनीयता में एआई की भूमिका को स्पष्ट किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने उनके प्रस्तुतीकरण को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया।

प्रो. एस. एन. सिंह, आईआईआईटीएम एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

इस अवसर पर डॉ. कीर्ति पाल, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, डॉ. ओमवीर सिंह, विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, डॉ. एम. ए. अंसारी, डॉ. निधि सिंह तथा विभाग के अन्य संकाय सदस्यगण ज्योति सिंह, श्री रविकांत यादव, डॉ. ईशा कंसल, डॉ. राहुल, डॉ. प्रीति कुमारी, एवं कृति एवं छात्रों ने भाग लिया और विशेषज्ञ से प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय में तकनीकी नवाचार और शोध की दिशा में एक प्रभावी प्रयास के रूप में देखा गया।

****

3. विश्व पर्यावरण दिवस 2025 : 5 जून को पर्यावरण विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर वैश्विक थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति बोर्ड रूम में 'ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र' के रूप में आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रो. सौमित्र मुखर्जी, पूर्व अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. सौमित्र मुखर्जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. मुखर्जी ने अपने विचारोत्तेजक भाषण में प्लास्टिक प्रदूषण के पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य पर इसके विनाशकारी प्रभावों को रेखांकित किया, साथ ही सामूहिक कार्रवाई और नीतिगत बदलावों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि क्षितिज, जल, पावक, गगन, और समीरा मात्र प्रकृति के पंचतत्व ही नहीं हैं, बल्कि ये गहरे प्रतीक हैं जो मानव जीवन और अस्तित्व के सार को दर्शाते हैं। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से प्रदूषित जेएनयू के एक चेक डैम का उदाहरण देते हुए प्लास्टिक प्रदूषण की भयावहता को स्पष्ट किया। उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक्स से प्रदूषित पर्यावरण के सुधार में 'आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स' आधारित नैनोप्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावना जताई तथा अपने

'पेटेंटेड कॉलम-फिल्ट्रेशन तकनीक' द्वारा आर्सेनिक युक्त जल शुद्धिकरण पर आधारित अनुसंधान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संकाय सदस्यों को प्लास्टिक प्रदूषण से लड़ने के लिए नैनो-रिमेडिएशन के क्षेत्र में अनुसंधान करने हेतु प्रोत्साहित किया।

प्रो. राणा प्रताप सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण प्रतिबद्धता को उजागर किया और प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 'यूरेथेन', जो कि पॉलीयूरेथेन प्लास्टिक निर्माण हेतु प्रयोग किया जाने वाला मोनोमर है, एक शक्तिशाली कार्सिनोजन है जो कि अत्यंत हानिकारक है तथा जीवों पर प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव डालता है क्योंकि यह म्यूटेशन उत्पन्न कर सकता है जो कैंसर तक जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पॉलीस्टाइरीन और बिसफेनॉल ए जैसे विभिन्न प्रकार के पदार्थ से बने प्लास्टिक से उत्पन्न 'इपॉक्साइड्स' की विषाक्तता, जैवक्रियाशीलता, तथा डीएनए से बंधने की प्रवृत्ति को उजागर करते हुए बताया कि ये पदार्थ उत्परिवर्तन कर कैंसर जनक प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं।

'ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र' के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह तथा मुख्य अतिथि प्रो. सौमित्र मुखर्जी

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. मलकानिया ने प्लास्टिक प्रदूषण के वैश्विक और भारतीय दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरलता और स्थिरता पर आधारित पारंपरिक जीवनशैली को अपनाने का आह्वान किया। स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडे ने पर्यावरण जागरूकता फैलाने के लिए गेटकीपिंग मॉडल की उपयोगिता पर संक्षिप्त चर्चा की, जो प्लास्टिक प्रदूषण और अन्य समकालीन पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित है। इस दौरान प्लास्टिक पर निर्भरता को कम करने और परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) मॉडलों को बढ़ावा देने हेतु रणनीतियों पर चर्चा हुई एवं कई व्यावहारिक उपाय प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में पर्यावरण विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य, शोधकर्ता और पर्यावरण विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सतत् विकास प्रथाओं एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जीवंत तथा सशक्त संवाद हुआ।

****

4. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में उद्योग शिक्षाविदों का ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र : 13 जून को यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. राणा पी सिंह ने की।

ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र' के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के साथ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के फेकल्टीज़

सत्र का उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पहचानना और उसे पाटना था। यूएसओई के सभी संकाय सदस्यों ने अपने शोध क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए अपनी प्रस्तुतियाँ साझा कीं और उद्योग प्रतिनिधियों ने अपने व्यवसाय के क्षेत्र और चुनौतियों को साझा किया।

****

5. पैंथरुन टेक्नोलॉजीज द्वारा पेपर प्रतियोगिता पर जानकारीपूर्ण सत्र : पैंथरन टेक्नोलॉजीज द्वारा आगामी पेपर कॉन्टेस्ट पर 17 जून को स्कूल ऑफ आईसीटी में एक सूचनात्मक सत्र आयोजित किया गया। यह रोमांचक पहल छात्रों को एआई, सुरक्षा, एम्बेडेड सिस्टम और नेटवर्किंग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करती है।

पैंथरन टेक्नोलॉजीज द्वारा आगामी पेपर कॉन्टेस्ट पर बातचीत के दौरान

प्रतियोगिता को नवाचार को बढ़ावा देने, समस्या-समाधान क्षमताओं को विकसित करने और अगली पीढ़ी के इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों के बीच तकनीकी उत्कृष्टता को पहचानने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है। सत्र में 30 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

****

"शिक्षा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है, और यह आवश्यकता महिलाओं के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पुरुषों के लिए।"

पाठयेत्तर गतिविधियाँ

1. दान अभियान : समाज कार्य विभाग ने विश्वविद्यालय के समीप स्थित घरबरा गाँव में रहने वाले स्थानीय निवासी तथा प्रवासी मज़दूरों के लिए 8 मई को दान अभियान का सफल आयोजन किया । समाज कार्य विभाग के छात्रों ने डोनेशन बॉक्स के ज़रिए विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों से कपड़े, बैग, जूते, चादरें तथा अन्य सामग्री एकत्रित किए, जिसके बाद छात्रों द्वारा घरबरा गाँव में स्थित झुग्गी झोपड़ियों के निवासियों में एकत्रित सामान का वितरण किया गया ।

समाज कार्य विभाग के फेकल्टीज़ एवं छात्र ग्रामवासियों को कपड़े दान करते हुए

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बन्दना पांडेय तथा समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष ने छात्रों के इस अभियान की सराहना की। दान अभियान के दौरान समाज कार्य विभाग के संकाय सदस्य डॉ. राहुल कपूर, श्री नवनीत सिंह और समाज कार्य विभाग के छात्र ब्राइटसन, संतोष, ख़ुशी, केविन और जीतेन्द्र मौजूद रहें।

*****

2. नवाचार और कौशल के बीच सेतु निर्माण हेतु बैठक : 10 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन (एनआईएफ), शिक्षा मंत्रालय (एमओई), सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जीआईएमएस), जेएनयू और आईआईटी रुड़की सहित राष्ट्रीय ख्याति की 20 कंपनियों/संस्थाओं/संगठनों के साथ मिलकर नवाचार और कौशल अंतराल को कम करने के लिए एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया। जीबीयू के 45 से अधिक संकाय सदस्यों और 25 उद्योग विशेषज्ञों ने चर्चा की, विचारों का आदान-प्रदान किया, उद्योग-अकादमिक नवाचार और कौशल अंतराल की पहचान की और उन्हें उजागर किया।

प्रो. राणा प्रताप सिंह ने बताया कि नवाचार किसी भी राष्ट्र के विकास की कुंजी है। उन्होंने बताया कि यूपी सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर सीओई की स्थापना के लिए जीबीयू को 50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, और यह अगले कुछ महीनों में उपलब्ध अत्याधुनिक सुपरकंप्यूटिंग सुविधा होगी। उन्होंने डीजीसीए द्वारा अनुमोदित ड्रोन पायलट प्रशिक्षण, बीएससी-एमएससी एकीकृत आयुर्वेद जीवविज्ञान, एमएससी-पीएचडी एकीकृत जीवन विज्ञान और सिस्टम मेडिसिन और एआई में बीटेक सहित अन्य कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिस्टम मेडिसिन स्कॉलर्स के पास 3 मेंटर होंगे, जिनमें से एक विश्वविद्यालय, अस्पताल और उद्योग से होगा।

एनआईएफ के मुख्य वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक डॉ. विपिन कुमार ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने के महत्व को समझाया। उन्होंने उद्योगों के सभी क्षेत्रों में भारत से अधिक से अधिक आईपीआर दाखिल करने और बाजार की प्रवृत्ति को समझने तथा भविष्य की भविष्यवाणी करने पर जोर दिया। डॉ. विपिन ने जोर देकर कहा कि सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें सेवा उद्योग से विनिर्माण उद्योग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। जेएनयू के प्रो. चतुर्वेदी ने उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार उद्योग के लिए तैयार छात्रों को तैयार करने के लिए संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। जीआईएमएस के निदेशक डॉ. (ब्रिगेडियर) राकेश गुप्ता ने नवाचार आवश्यकताओं पर जोर दिया और विशेष रूप से चिकित्सा क्षेत्र में अधिक इनक्यूबेटर होने की इच्छा व्यक्त की।

जीबीयू इनक्यूबेशन सेंटर में विभिन्न उद्योगपतियों तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ के साथ कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की बैठक

जीबीयू इनक्यूबेशन सेंटर के प्रमुख डॉ. सतीश के. मित्तल ने भारत के युवाओं पर भरोसा जताया और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए व्यावहारिक ज्ञान पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि जीबीयू में 18 पंजीकृत स्टार्टअप हैं और 40 स्टार्टअप विचार-विमर्श के चरण में हैं और ये जीबीयू को छात्रों के लिए नवाचार आधारित इको-सिस्टम बनाने में मदद करेंगे। आईपीआर सेल के प्रमुख और बायोटेक्नोलॉजिस्ट डॉ. शक्ति साही ने अधिक आईपीआर दाखिल करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। अन्य प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों में भारत सरकार के आईपीएफटी के पूर्व निदेशक और एसजेवी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक

डॉ. पी. के. पतंजलि, डीआरडीओ-आईएनएमएएस के पूर्व निदेशक और आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डॉ. अनिल मिश्रा, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उप निदेशक श्री सुभाष चंद्र पांडे, इंटरनेशनल काउंसिल फॉर सर्कुलर इकोनॉमी की एमडी सुश्री शालिनी गोयल, जेएनयू के प्रोफेसर बिनय पांडा, भारत में इजरायल के दूतावास की वरिष्ठ प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार सुश्री माया सरमन और कई अन्य लोगों ने अपने विचार साझा किए।

****

3. बुद्ध पूर्णिमा : बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के वियतनाम, म्यांमार, लाओस और भारत के छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय में वैशाख दिवस के अवसर बुद्ध पूर्णिमा का भव्य आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम परीक्षा को ध्यान में रखते हुए तिथि के अनुसार 12 मई को मनाने बजाय 3 मई को मनाया गया । इस अवसर पर छात्रों ने विश्वविद्यालय में बुद्ध की प्रतिमा के साथ विश्वविद्यालय की पैदल यात्र की ।

बुद्ध पूर्णिमा का यह दिन भगवान बुद्ध शाक्यमुनि के जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाओं का स्मरण कराता है - उनका जन्म, ज्ञान प्राप्ति (धम्मचक्कप्पवत्तन) और महापरिनिब्बान (निधन)। यह पवित्र दिन करुणा, ज्ञान और मुक्ति का प्रतीक है।

छात्रों एवं फेकल्टीज़ के साथ कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो.राणा प्रताप सिंह, फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा का संदेश सभी के जीवन में शांति, ध्यान और आस्था लेकर आए। उन्होंने त्रिरत्न का आशीर्वाद देते हुए प्रार्थना की कि सभी प्राणी सुखी, शांतिपूर्ण और दुख से मुक्त हों। साथ ही उन्होंने बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के छात्रों के अथक मेहनत और भव्य प्रदर्शनी की सराहनी की । इस अवसर पर छात्रों ने अपने हाथों से तैयार किए हुए भारतीय तथा विदेशी भोजन विश्वविद्यालय के फेकल्टी एवं छात्रों को भोजन हेतु प्रस्तुत किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं छात्रों ने उत्साह से भाग लिया ।

****

4. एनएसएस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह : 15 जून को एनएसएस इकाई-2, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक लाभों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना था।

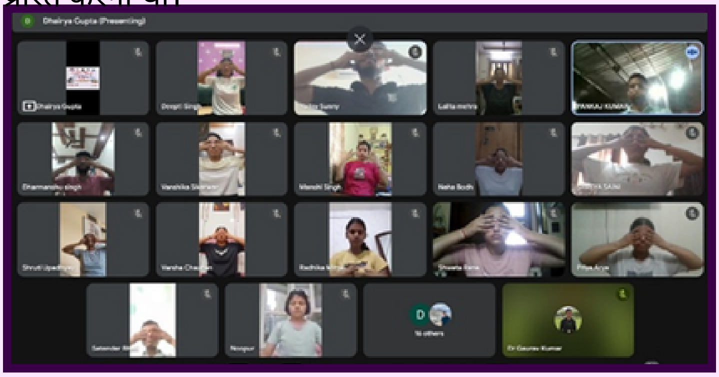
आभासी मंच के माध्यम से योग सत्र

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अभिषेक भगतैन (पीसीएस), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, करन प्रयाग, उत्तराखंड उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि अनुशासन, ध्यान और संतुलन का जीवन दर्शन है। योग सत्र का संचालन योग विशेषज्ञ श्री पंकज कुमार द्वारा किया गया । उन्होंने सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकें करवाईं। प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग से अभ्यास किया और योग के विभिन्न पहलुओं को समझा। इस अवसर पर एनएसएस कॉर्डिनेटर डॉ. जे. पी मुयाल और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ललिता मेहरा तथा डॉ. गौरव कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन को एक प्रेरणादायक पहल बताया।

****

5. 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह : 21 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने योग को एक वैज्ञानिक पद्धति बताते हुए कहा कि यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है, बल्कि आत्मिक शांति और जीवन में संतुलन बनाए रखने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों और कर्मियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।

योग सत्र में योग करते हुए कुलपति राणा प्रताप सिंह, कुलसचिव विश्वास त्रिपाठी तथा अन्य

योग सत्र का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षिका वैशाली ने किया। उन्होंने उपस्थित जनों को योगासनों, प्राणायाम और ध्यान के विभिन्न चरणों का अभ्यास कराते हुए योग के लाभों की वैज्ञानिक व्याख्या भी की। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार विश्वास त्रिपाठी, संकाय सदस्य विवेक मिश्रा, विवेक शुक्ला, दिनेश शर्मा, विमलेश कुमार, विनीत कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। इस आयोजन का संचालन विश्वविद्यालय की खेल परिषद द्वारा किया गया ।

****

6. छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती : 18 जून को छत्रपति शाहूजी महाराज गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं द्वारा छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती की मनाई गई। कार्यक्रम में महिला छात्रावास की मुख्य अभिरक्षिका डॉ. विदुषी शर्मा विशिष्ट अतिथि रहीं । इस अवसर पर मुख्य छात्रावास अभिरक्षिका डॉ. विदुषी शर्मा ने छात्रों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए बधाई दी तथा छात्रावास के बारे में विचार प्रकट किया। छत्रपति शाहूजी महाराज गर्ल्स हॉस्टल की अभिरक्षिका डॉ. आशा पांडेय ने शाहू जी महाराज के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला । इस अवसर पर छात्रावास की छात्राओं ने शाहूजी महाराज जी के जीवन- शिक्षा

छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती के अवसर पर मुख्य अभिरक्षिका डॉ. विदुषी शर्मा, अभिरक्षिका के साथ डॉ. आशा पांडेय तथा अन्य

और सामाजिक समानताएँ विशेषकर महिलाओं और पिछड़े समुदायों के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान की एक झलक नाटक के रूप में तथा नृत्य प्रस्तुत किया । इस अवसर पर महिला छात्रावास की अभिरक्षिकाएँ एवं सुपरवाइजर इंदु राणा तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं ।

****

7. छः-दिवसीय विपश्यना और माइंडफुलनेस कार्यशाला : 9 से 14 जून तक बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय और त्रिरत्न संस्था, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में हाइब्रिड मोड में ‘छः-दिवसीय विपश्यना और माइंडफुलनेस कार्यशाला’ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना तथा संरचित माइंडफुलनेस साधना के माध्यम से आत्म-जागरूकता और शांति का विकास करना था। प्रत्येक दिन के अभ्यास सत्रों में चार प्रकार की विपश्यना, जस्ट सिटिंग, वॉकिंग मेडिटेशन, चिंतन, माइंडफुल वर्किंग और समूह चर्चा जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए, धर्म चर्चा हुई, और समापन सत्र में प्रेरणादायक वक्तव्य के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। यह रिट्रीट एक अर्थपूर्ण और आत्मविकास की ओर प्रेरित करने वाली माइंडफुल यात्रा सिद्ध हुई।

बायें से कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवसाई, अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम

कार्यशाला के अंत तक प्रतिभागियों ने माइंडफुलनेस के अभ्यास के माध्यम से स्वयं में जागरूकता, भावनात्मक स्थिरता, और मानसिक स्पष्टता का अनुभव किया। उन्होंने “जस्ट सिटिंग”, “वॉकिंग मेडिटेशन”, “माइंडफुल वर्किंग” तथा समूह चिंतन जैसी

गतिविधियों के माध्यम से आंतरिक शांति और वर्तमान में जीने की कला सीखी। प्रतिभागियों ने बताया कि वे अपने दैनिक जीवन में माइंडफुलनेस को एक उपयोगी साधन के रूप में अपनाने को प्रेरित हुए हैं, जिससे वे न केवल अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर पाएंगे, बल्कि समाज में भी सकारात्मक योगदान दे सकेंगे।

प्रमाण पत्र के साथ विपश्शना कार्यशाला के प्रतिभागी

इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने प्रेरणादायक उद्बोधन दिया तथा विपश्शना से प्राप्त होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय की अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम, त्रिरत्न संस्था एवं माइंडफुलनेस गुरु धम्मचारी चंद्रवीर, डॉ. शिवसाई डॉ. मित्रा, डॉ. शाक्य, डॉ. पासवान, डॉ. विदुषी शर्मा, श्री विक्रम यादव सहित संकाय सदस्यों ने भी विपश्शना से लाभ प्राप्त किया।

****

8. फिलीपींस प्रतिनिधिमंडल की गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में बैठक : 23 जून को फिलीपींस के बेंगुएट प्रांत के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीक, युवा विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को सशक्त करना रहा। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में संयुक्त पहल बढ़ाने, छात्र एवं शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू करने और साझा शैक्षिक परियोजनाओं पर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

फिलीपींस प्रतिनिधिमंडल के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह एवं फेकल्टीज़

फिलीपींस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ. एस्टेला पी. लियोन-कारिनो (डायरेक्टर, डेपेड कोर्डिलेरा एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन), डॉ. लोर्ना एम. याको और राचेल ए. कारिनो ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय परिसर और विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों का भी दौरा किया और आपसी संबंधों को नई ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की अधिष्ठाता डॉ. इन्दु प्रीति, स्कूल ऑफ आईसीटी के अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज, विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ डॉ. राकेश श्रीवास्तव, डॉ. ममता रानी और डॉ. गौरव कुमार भी उपस्थित रहें। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की इस पहल का समन्वय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. सी. वी. शिवसाई द्वारा किया गया।

****

विशेष समाचार

1. बोर्ड ऑफ गवर्नेंस की मीटिंग : 3 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में बोर्ड ऑफ गवर्नेंस की मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के हित में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए ।

****

2. शिव नादर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह का व्याख्यान : 8 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने शिव नादर विश्वविद्यालय में प्रभावशाली व्याख्यान दिया ।

****

टैबलेट वितरित करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी, फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

3. टैबलेट वितरण कार्यक्रम : 26 मई को उत्तर प्रदेश डेवलमेंट सिस्टम कॉर्पोरेशन सिस्टम (यूपीडेस्को) द्वारा 'स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना' के पाँचवें चरण में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुल 532 विद्यार्थियों में टैबलेट वितरित किया गया । इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राणा प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई दी ।

****

4. समझौता-ज्ञापन

29 मई को ऑस्ट्रेलिया के मोनास विश्वविद्यालय और उत्तर-प्रदेश सरकार के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में एक समझौता-ज्ञापन हुआ। यह समझौता-ज्ञापन प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध-अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस समझौता-ज्ञापन को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा, जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा।

माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ मोनाश विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि को सम्मानित करते हुए

सभी दिशाओं से ज्ञान का स्वागत करने की प्राचीन वैदिक लोकाचार का उल्लेख करते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जोर देकर कहा कि यह समझौता ज्ञापन वैश्विक विचारों के प्रति भारत के दीर्घकालिक खुलेपन को दर्शाता है। 84,000 से अधिक छात्रों वाला एक प्रसिद्ध संस्थान मोनाश विश्वविद्यालय दुनिया भर के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने में व्यापक विशेषज्ञता लाता है। मोनाश से जुड़ी और पूर्व में दिल्ली विश्वविद्यालय की शिक्षाविद प्रोफेसर मनीषा ने इस समझौते को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के गणमान्य व्यक्तियों ने स्वागत किया।

****

5. एजुकेशन सोसाइटी मीटिंग : 30 मई को प्रो. राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में एजुकेशन सोसाइटी मीटिंग आयोजित की गयी । जिसमें गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय से जुड़े चारों कॉलेज से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं विकास पर चर्चाएँ की गईं ।

****

6. यूजीसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कार्यशाला श्रृंखला में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की भागीदारी : 6 जून को यूजीसी द्वारा विकास-2025 (उद्योग ज्ञान, प्रशिक्षुता और कौशल में प्रवेश) पर अखिल भारतीय कार्यशाला श्रृंखला शुरू की। पहली कार्यशाला मुंबई विश्वविद्यालय में आयोजित की गई, जिसमें पश्चिमी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान शामिल थे, और इसमें प्रशिक्षुता से जुड़े डिग्री कार्यक्रमों (एईडीपी) पर जोर दिया गया। विकसित भारत 2047 के लिए एक बहुत जरूरी पहल है ।

****

7. पशु संसाधन सुविधा एवं जैव चिकित्सा अनुसंधान पर बैठक : 18 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा पशु संसाधन सुविधा एवं जैव चिकित्सा अनुसंधान हेतु एक बैठक आयोजित की गई । जिसमें कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने पशु संसाधन सुविधा एवं जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए एक प्रयोगशाला खोलने की सलाह दी तथा उन्होंने कहा कि यह अनुसंधान पशुओं के साथ-साथ युवा जीवन/जैव प्रौद्योगिकी वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

****

8.अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग की भागीदारी : 15 मई को नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ द्वारा आयोजित वैशाख डे (बुद्ध पूर्णिमा) समारोह में बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के फेक्ल्टीज़ एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैशाख दिवस के अवसर पर बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

इस समारोह बुद्ध के जीवन में तीन महान घटनाओं को मनाने के लिए मोनस्टिक्स, जन्म - ज्ञान – परिनिर्वाण को समझने के लिए बौद्धों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को एक साथ उपस्थित हुए। यह समारोह दुनिया में प्यार, ज्ञान और शांति फैलाने के लिए एक साथ आने का एक सार्थक अवसर रहा ।

****

9. डॉ. अरविंद कुमार सिंह लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय में आईसीसीआर की डॉ. अंबेडकर पीठ पर विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में नियुक्त : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अंबेडकर चेयर फॉर बौद्ध स्टडीज़, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल में डॉ. अरविंद कुमार सिंह को एक शैक्षणिक वर्ष के लिए विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। इस प्रतिष्ठित पद को ग्रहण करने हेतु विश्वविद्यालय ने उन्हें अवकाश प्रदान किया है। डॉ. सिंह इस प्रतिष्ठित पद को संभालने वाले दूसरे विद्वान हैं। उनकी नियुक्ति बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में उनकी गहन विशेषज्ञता और वैश्विक बौद्ध अकादमिक जगत के साथ उनके सशक्त संवाद का प्रमाण है।

डॉ. अरविंद कुमार सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में लगभग 24 वर्षों का शिक्षण अनुभव है। उन्होंने प्राचीन बौद्ध धर्म में पशु, फार ईस्ट में बौद्ध धर्म, दक्षिण-पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म, पूर्वी एशिया में बौद्ध धर्म, थेरेवाद बौद्ध धर्म का - इतिहास, और प्रो. के.टी.एस. सराओ के साथ सह-संपादित थेरेवाद बौद्ध धर्म का इतिहास जैसी कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं। उनकी नवीनतम पुस्तक रिसर्चेज इन बौद्ध स्टडीज़ उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान को और दृढ़ करती है।

डॉ. अरविन्द कुमार सिंह का स्वागत करते हुए लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़

है। इन्हें शांति और सामाजिक समरसता के लिए उनके प्रयासों को भी व्यापक रूप से सराहा गया है। उन्हें ग्लोबल पीस एम्बेसडर अवार्ड (2017), पत्रकार बिमलेंदु बरुआ पीस अवार्ड (2016) (विश्व बौद्ध नेता संघ और निर्वाण पीस फाउंडेशन, बांग्लादेश द्वारा), और आउटस्टैंडिंग पीस एक्टिविस्ट अवार्ड (2016) (आईबीईआई और वाईएसएसआरएफ द्वारा) आदि प्राप्त हैं।

डॉ. सिंह की यह नियुक्ति भारत और नेपाल के बीच गहरे बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों को और सशक्त करेगी और वैश्विक बौद्ध अध्ययन में भारत की भूमिका को आगे बढ़ाएगी।

****

> **"सफलता केवल प्रयासों का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह उस मार्ग पर चलने की प्रेरणा है जिसे हम चुनते हैं। जब भी हमें लगता है कि हम हार रहे हैं, तब हमें यह याद रखना चाहिए कि सफलता सिर्फ उन्हीं को मिलती है जो कभी हार नहीं मानते। इस कविता के माध्यम से हम आपको यही संदेश देना चाहते हैं कि सफलता पाने के लिए हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए और कभी भी अपनी मेहनत पर विश्वास नहीं छोड़ना चाहिए।"**

उपलब्धियाँ

1. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र शेरिंग छेदुप भूटान की राष्ट्रीय सभा के माननीय अध्यक्ष के निजी सचिव नियुक्त : 23 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के पूर्व छात्र शेरिंग छेदुप को भूटान की राष्ट्रीय सभा के माननीय अध्यक्ष के निजी सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। शेरिंग छेदुप ने 2023 में बौद्ध अध्ययन में स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री पूरी की और अपने बैच में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। शेरिंग छेदुप की यह नियुक्ति न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम की उपलब्धि है, बल्कि यह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक दृष्टिकोण और मूल्यों का भी प्रमाण है, जो समाज को जागरूक और समर्पित नेता प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी है।

छात्र शेरिंग छेदुप

****

एडमिशन :गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अब तक 11361 पंजीकरण हो चुके हैं तथा 30 जून तक 1528 छात्रों ने प्रवेश ले लिया है ।

परीक्षा : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 13 मई से 3 जून तक सत्रीय परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।

पीएचडी

1. हुन्ह थान्ह लाइम (Huynh Thanh Liem), बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय
2. व्रतिका सिंह, स्कूल ऑफ वोकेशनल एंड अप्लाईड साइंस
3. निकिता सिंह, स्कूल ऑफ वोकेशनल एंड अप्लाईड साइंस
4. दिव्या झिन्झरिया, स्कूल ऑफ बायोटेक
5. पन्यार्दिपा, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय
6. गुरू प्रसाद सिंह, स्कूल ऑफ लॉ एंड सिविलाइजेशन
7. यान्हा मोहम्मद साहेल अलवर्द, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग

प्लेसमेंट

- अप्तारा, इंडियामार्ट, प्रोकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पंसारी ग्रुप, भगवती प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कोडनेस्ट, सर्विसनाउ, आर्टेक, ईस्टर्न सॉफ्टवेयर, टेकोल्यूशन, ग्रीन पावर इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, आईईएमएल, प्रेटिनिडी.एआई, टेक्वायर सॉल्यूशंस, फिजिक्सवाला, मणिकरण पावर ने पास आउट छात्रों के लिए भर्ती अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत 20 से अधिक छात्रों की प्लेसमेंट हुई।

- बीटेक (सीएसई) की छात्रा अनन्या पाण्डेय को प्रतिनिधि एआई (ऑर्केस्ट्रिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड), बैंगलोर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में नौकरी मिल प्राप्त हुई।

संपादकीय-मंडल

प्रमुख संरक्षक : प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
उत्तर प्रदेश-201312 (भारत) फ़ोन नं.: 0120-2344200